(ग) देश में कम्प्रेस्ड प्राकृतिक गैबस को परिवहन के प्रयोजनों के लिये कब तक प्रयोग में लाये जाने की संभावना है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड तथा आई०बी०पी० कम्पनी लि० ने चुने हुये स्थानों पर संपीड़ित प्राकृतिक गैस का आटोमोटिव ईंधन के रूप में आरम्भ करने का प्रस्ताव किया है। यह प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन का विकास

*211. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन सुविधाओं के विकास और विस्तार की सरकार की कोई योजनायें हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इनका ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी, हां।

(ख) सरकार ने चरणबद्ध विकास करने के लिये दो यात्रा परिपथ निर्धारित किये हैं।

देश मे कोयले के नए भण्डार

*212. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान (इंस्टीटयूट आफ माइन प्लानिंग एंड डिजाइन) द्वारा किये गये खोज कार्यों से देश के विभिन्न भागों में कोयले के नये भंडारों का पता चला है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री पी० ए० संगमा) : (क) और (ख) इस संबंध में एक विवरण-पत्र सभा पटल पर रखा गया है।

विवरण

(क) और (ख) देश के विभिन्न क्षेत्रों में कोयले के भंडारों का पता लगाये जाने के लिये क्षेत्रीय अन्वेषण का कार्य भारतीय भू-सर्वेक्षण द्वारा निरन्तर आधार पर किया जाता है। इन अन्वेषणों के आधार पर खनन-आयोजन के उद्देश्य से विस्तृत अन्वेषण कार्य केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान द्वारा खनिज अन्वेषण निगम लि० तथा अन्य ड्रलिंग अभिकरणों की सहायता से किया जाता है। भारतीय भू-सर्वेक्षण तथा अन्य अभिकरणों द्वारा किये गये अन्वेषणों के परिणामस्वरूप दिनांक 1-1-90 को अनुमानित 1,86,044.24 मि० टन कोयले के भंडारों की तुलना में दिनांक 1-1-91 को 1,92,359.50 मि० टन कुल कोयले के आवर्ती भंडार होने का अनुमान लगाया गया है। दिनांक 1-1-90 तथा दिनांक 1-1-91 की स्थिति

के अनुसार राज्यवार कोयले के भंडारों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :–

(आवर्ती भण्डार मि० टन में)

राज्य	1–1–90 की स्थिति के अनुसार	1–1–91 की स्थिति के अनुसार
आंध्र प्रदेश	10596.64	10771.35
अरूणांचल प्रदेश	90.23	90.23
असम	292.68	295.18
बिहार	61155.11	62084.85
मध्य प्रदेश	32649.93	37053.18
महाराष्ट्र	5553.15	6071.18
मेघालय	458.94	459.43
नागालैंड	19.94	19.94
उड़ीसा	44261.54	44304.43
उत्तर प्रदेश	1062.21	1062.21
पश्चिम बंगाल	29903.87	30147.17
जोड़	1,86,044.24	1,92,359.15

गुजरात तेल शोधक कारखाने कार्यकरण

*213. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 30 अप्रैल, 1991 के "दि टाइम्स आफ इंडिया" में "आई०ओ०सी० डिनाइज ओ०एन०जी० सी० चार्ज आफ स्लोइंग डाऊन प्रोडक्शन" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के प्रबंधन ने इस आशय का एक स्पष्टीकरण दिया है कि पिछले वर्ष कच्चे तेल के उत्पादन में इसलिये कमी की गई थी क्योंकि गुजरात तेल शोधक कारखाने में तेल-शोधन प्रक्रिया की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण वहां से कच्चे तेल का उठान नहीं हो रहा था ;

(ग) यदि हां, तो क्या यह सच है कि पिछले वर्ष के दौरान गुजरात तेल शोधक कारखाने में तेल शोधन का कार्य बड़े पैमाने पर किया गया था और उत्पादन का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया था ; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के स्पष्टीकरण की ओर जांच की है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री वी० शंकरानन्द) : (क) जी, हां।

(ख) जी, हां।

(ग) और (घ) यद्यपि गुजरात रिफाइनरी ने 1990–91 में अपने अधिकतम उत्पादन का लक्ष्य पूरा कर लिया है फिर